

रजिस्टर्ड नं० एल०-३३/एस० एम०/१३-१४/९४.



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, मंगलवार, १५ मार्च, १९९४/२४ फाल्गुन, १९१५

हिमाचल प्रदेश सरकार

हिमाचल प्रदेश विधान सभा सचिवालय

अधिसूचना

शिमला-१७१००४, १५ मार्च, १९९४

संख्या १-१६/९४-वि० स०.—हिमाचल प्रदेश विधान सभा के प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमावली, १९७३ के नियम १३५ के अन्तर्गत, "हिमाचल प्रदेश युद्ध पुरस्कार (संशोधन) विधेयक, १९९४ (१९९४ का विधेयक

संख्यांक 1)'' जो दिनांक 15 मार्च, 1994 को हिमाचल प्रदेश विधान सभा में पुरःस्थापित हो गया है, सर्वसाधारण की सूचनार्थ राजपत्र में मुद्रित करने हेतु प्रेषित किया जाता है।

लक्ष्मण सिंह
सचिव ।

हिमाचल प्रदेश युद्ध पुरस्कार (संशोधन) विधेयक, 1994

(विधान सभा में यथा पुरःस्थापित)

हिमाचल प्रदेश युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1972 (1972 का 9) का और संशोधन करने के लिए विधेयक।

भारत गणराज्य के पैतालीसवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्न-लिखित रूप में यह अधिनियमित हो:—

1. (1) इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश युद्ध पुरस्कार (संशोधन) अधिनियम, 1994 है।

संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ।

(2) यह 1 जनवरी, 1993 से प्रवृत्त हुआ समझा जाएगा/होगा।

1972 का 9

2. हिमाचल प्रदेश युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1972 की धारा 3 में, —

धारा 3 का संशोधन।

(i) खण्ड (क) में "तीन सौ" शब्दों के स्थान पर "छः सौ" शब्द रखे जाएंगे;

(ii) खण्ड (ख) में "दो सौ" शब्दों के स्थान पर "चार सौ" शब्द रखे जाएंगे, और

(iii) प्रथम परन्तुक के पैरा (i) और (ii) में "एक सौ" और "बोम" शब्दों के स्थान पर क्रमशः "दो सौ" और "चालीस" शब्द रखे जाएंगे।

उद्देश्यों और कारणों का कथन

हिमाचल प्रदेश युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1972 की धारा 3 का संशोधन वर्ष 1983 में किया गया था जो उन बालकों के माता-पिता को जिन्होंने भारत के संविधान के अनुच्छेद 352 के अधीन 26 अक्टूबर, 1962 और 3 दिसम्बर, 1971 को भारत के राष्ट्रपति द्वारा घोषित राष्ट्रीय आपात के दौरान सशस्त्र बल में सेवा की है, तीन सौ रुपये प्रति वर्ष के मूल्य की युद्ध जागीर देने और उन बालकों के माता-पिता को, जो द्वितीय महायुद्ध के दौरान हिज मैजैस्टी के बल में भर्ती किए गए थे या कमीशनड किए गए थे, दो सौ रुपये प्रति वर्ष के मूल्य की युद्ध जागीर देने का उपबन्ध करता है। जहाँ तीन से अधिक बालकों ने सेवा की है या सेवा कर रहे हैं पूर्व कथित की दशा में सौ रुपये प्रति वर्ष और पश्चात् कथित की दशा में बीस रुपये प्रति वर्ष अतिरिक्त रकम, ऐसे प्रत्येक अतिरिक्त बालक के लिए संदत्त की जाएगी।

तब से कीमतों में अत्यधिक वृद्धि हुई है। इसलिए यह युक्तियुक्त समझा गया है कि प्रथम जनवरी, 1993 से युद्ध जागीरों की रकम को तीन सौ, दो सौ, एक सौ और बीस रुपये प्रति वर्ष से बढ़ा कर क्रमशः छः सौ चार सौ, दो सौ और चालीस रुपये कर दिया जाए।

यह विधेयक पूर्वोक्त उद्देश्य की पूर्ति के लिए है।

वीरभद्र सिंह,
मुख्य मन्त्री।

शिमला :

15 मार्च, 1994.

वित्तीय जापन

विधेयक का खण्ड 2, हिमाचल प्रदेश युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1972 के अधीन संदेय नकद युद्ध जागीर पुरस्कार की रकमों को तीन सौ, दो सौ, एक सौ और बीस रुपये प्रति वर्ष से क्रमशः छः सौ, चार सौ, दो सौ और चालीस रुपये प्रति वर्ष तक बढ़ाने का उपबन्ध करता है। प्रस्तावित परिवर्तन के कारण प्राक्कलित व्यय का आकलन नहीं किया जा सकता क्योंकि पूर्वोक्त अनुदान के लिए आवेदकों की संख्या समय-समय पर बदलती रहती है। तथापि यदि आवेदकों की वर्तमान संख्या में कोई वृद्धि नहीं होती है, तो राजकोष से लगभग 18 लाख रुपये का अतिरिक्त व्यय अन्तर्वर्तिन होगा। इसके अनिर्गत लगभग 22 लाख रुपये की राशि 1-1-1993 से बकाया संदत्त करने के लिए अपेक्षित है।

प्रत्यायोजित विधान सम्बन्धी जापन

-शून्य-

भारत के संविधान के अनुच्छेद 207 के अधीन राज्यपाल की सिफारिशें

[सा 0 प्र 0 वि 0 नस्ति सं 0 जी 0 ए 0 डी 0 ई 0 (एफ 0) 10-1/84]

हिमाचल प्रदेश के राज्यांगल, हिमाचल प्रदेश युद्ध पुरस्कार (संशोधन) विधेयक, 1994 की विषयवस्तु के बारे में सूचित किए जाने के पश्चात्, भारत के संविधान के अनुच्छेद 207 के अधीन विधेयक को विधान सभा में पुरःस्थापित करने और उस पर विचार करने की सिफारिश करते हैं।

AUTHORITATIVE ENGLISH TEXT

Bill No. 1 of 1994,

**THE HIMACHAL PRADESH WAR AWARDS (AMENDMENT)
BILL, 1994**

(AS INTRODUCED IN THE LEGISLATIVE ASSEMBLY)

A

BILL

further to amend the Himachal Pradesh War Awards Act, 1972 (Act No. 9 of 1972).

BE it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in the Forty-fifth Year of the Republic of India as follows :—

1. (1) This Act may be called the Himachal Pradesh War Awards (Amendment) Act, 1994.

Short title
and com-
mencement.

(2) It shall be deemed to have come into force with effect from the 1st day of January, 1993.

2. In section 3 of the Himachal Pradesh War Awards Act, 1972,—

Amendment
of section
3.

(i) in clause (a), for the words “three hundred”, the words
“six hundred” shall be substituted;

(ii) in clause (b), for the words “two hundred”, the words
“four hundred” shall be substituted: and

(iii) in paras (i) and (ii) of the first proviso, for the words “one
hundred” and “twenty”, the words “two hundred” and
“forty” shall respectively be substituted.

Act No.
of 1972.

STATEMENT OF OBJECTS AND REASONS

Section 3 of the Himachal Pradesh War Awards Act, 1972 was amended in the year, 1983, which provides for the grant of War Jagirs of the value of Rs. 300/- per annum to the parents of such children who have served in the Armed Forces during the National Emergency declared by the President of India under Article 352 of the Constitution on 26th October, 1962 and 3rd December, 1971 and for the grant of War Jagir of the value of Rs. 200/- per annum to the parents of such children who were enrolled or commissioned for service in His Majesty's Forces during the Second World War. In case where more than three children have served or are serving, an additional amount of Rs. 100/- per annum in case of former and Rs. 20/- per annum in case of latter is to be paid for every such additional child.

Since then, there has been steep rise in prices. It has, therefore, been considered reasonable that the amount of War Jagirs are increased from Rs. 300/-, Rs. 200/-, Rs. 100/- and Rs. 20/- per annum to Rs. 600/-, Rs. 400/-, Rs. 200/- and Rs. 40/- per annum respectively with effect from 1st January, 1993.

This Bill seeks to achieve the aforesaid objective.

VIRBHADRA SINGH,
Chief Minister.

SHIMLA

The 15th March, 1994.

FINANCIAL MEMORANDUM

Clause 2 of the Bill seeks to make the provision for the increase of the amounts of the cash War Jagir Awards payable under the Himachal Pradesh War Awards Act, 1972 from Rs. 300/-, Rs. 200/-, Rs. 100/- and Rs. 20/- per annum to Rs. 600/-, Rs. 400/-, Rs. 200/- and Rs. 40/- per annum respectively. The estimated expenditure due to the proposed change cannot be assessed as the number of the applicants for the aforesaid grant continues to vary from time to time. However, if there is no increase in the present number of applicants, the additional expenditure involved would be Rs. 18 lakhs per annum approximately to the State exchequer. Besides, a sum of Rs. 22 lakhs approximately is required to pay the arrears *w.e.f.* 1-1-1993.

MEMORANDUM REGARDING DELEGATED LEGISLATION

-NIL-

RECOMMENDATIONS OF THE GOVERNOR UNDER ARTICLE 207 OF THE CONSTITUTION OF INDIA

[GAD FILE NO. GAD-E(F) 10-1/84]

The Governor of Himachal Pradesh, having been informed of the subject matter of the Himachal Pradesh War Awards (Amendment) Bill, 1994, recommends, under article 207 of the Constitution of India, the introduction and consideration of the Bill in the Legislative Assembly.

नियन्त्रक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, हिमाचल प्रदेश, शिमला-5 द्वारा मुद्रित तथा प्रकाशित ।